प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2 (2019–20)

हिन्दी–ब (कोड–85)

कक्षा– 9

निर्धारित समय– 3 घंटे अधिकतम अंक– 80

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 15

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 9

गुरूकुल में पढ़ने वाले छात्रों की पढ़ाई पूरी होने पर गुरूजी ने सभी छात्रों को मैदान में इकट्ठा होने के लिए कहा। सभी शिष्य मैदान में आकर खड़े हो गए। गुरूजी ने उनसे कहा, प्रिय शिष्यों मैं चाहता हूँ कि यहाँ से जाने से पहले आप सब एक बाधा दौड़ में भाग लें। इस दौड़ में आपको एक अँधेरी सुरंग से गुजरना होगा। सभी शिष्य सुरंग से गुजरे जहाँ जगह–जगह नुकीले पत्थर पड़े थे। दौड़ पूरी होने पर गुरूजी ने कहा, कुछ शिष्यों ने जल्दी दौड़ पूरी कर ली और कुछ ने बहुत अधिक समय लगा दिया, ऐसा भला क्यों? कुछ शिष्यों ने जवाब दिया कि रास्ते में नुकीले पत्थर थे, जिन्हें हम चुनकर जेब मे रखते जा रहे थे, ताकि पीछे आने वालों को पीड़ा न हो। गुरूजी ने उन सभी शिष्यों को बुलाया जिन्होंने पत्थर चुने थे और कहा जिन्हें तुम पत्थर समझ रहे हो, वे वास्तव में बहुमूल्य हीरे हैं जिन्हें मैंने सुरंग में डाला था। ये हीरे तुम सबका उपहार हैं, क्योंकि तुमने दूसरों की पीड़ा को समझा। यह दौड़ जिंदगी की सच्चाई को बताती है कि सच्चा विजेता वही है जो इस दौड़ती दुनिया में दूसरों का भला करते हुए आगे बढ़ता है।

1. गुरूजी ने शिष्यों को कहाँ और क्यों बुलाया था? 2
उत्तर : गुरूजी ने शिष्यों को मैदान में बुलाया था और उन्होंने शिष्यों से कहा कि उन सबको बाधा दौड़ में अँधेरी सुरंग से गुजरना होगा।
2. शिष्यों को सुरंग में किस कठिनाई का सामना करना पड़ा? 2
उत्तर : शिष्यों को सुरंग में जगह–जगह नुकीले पत्थरों का सामना करना पड़ा, जो उन्हें पैरों में चुभ रहे थे।
3. गुरू जी ने शिष्यों को क्या दिया और क्यों? 2
उत्तर : गुरूजी ने शिष्यों को बहुमूल्य हीरे उपहार में दिए, क्योंकि उन शिष्यों ने पीछे आने वालों की पीड़ा को समझा था।
4. यह दौड़ जिंदगी की कौन–सी सच्चाई बताती है? 2
उत्तर : यह दौड़ जिंदगी की यह सच्चाई बताती है कि सच्चा विजेता वही है जो दौड़ती दुनिया में दूसरों का भला करते हुए आगे बढ़ता है।
5. गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। 1
उत्तर : सच्चा विजेता।

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 6

यह मनुज, ब्रह्माण्ड का सबसे सुरम्य प्रकाश,
कुछ छिपा सकते न जिससे भूमि का आकाश।
यह मनुज, जिसकी शिखा उद्दाम,
कर रहे जिसको चराचर भक्तियुक्त प्रणाम।
यह मनुज जो सृष्टि का श्रृंगार,
ज्ञान का, विज्ञान का, आलोक का आगार।
व्योम से पाताल तक सब कुछ इसे है ज्ञेय,
पर न यह परिचय मनुज का, यह न उसका श्रेय।
श्रेय उसका, बुद्धि पर चैतन्य उर की जीत,
श्रेय मानव की असीमित मानवों से प्रीति,
एक नर से दूसरे के बीच का व्यवधान,
तोड़ दे जो, बस वही ज्ञानी वही विद्वान,
और मानव भी वही।

1. कवि ने मनुष्य को ब्रह्माण्ड की सबसे सुन्दर रचना क्यों बताया? 2
उत्तर : मनुष्य के पास सबसे विकसित शरीर, बुद्धि और भाषा है। वह सभ्यता का निर्माता है। इसलिए कवि ने मनुष्य को ब्रह्माण्ड की सबसे सुन्दर रचना बताया है।
2. कवि ने सृष्टि का श्रृंगार किसे बताया है? 2
उत्तर : कवि ने मनुष्य को सृष्टि का श्रृंगार बताया है।
3. मनुष्य का परिचय और श्रेय कवि किसे नहीं मानता है? 2
उत्तर : आकाश से पाताल तक सब कुछ जान लेना, मनुष्य का परिचय और श्रेय नहीं है।

अथवा

"मैंने छुटपन में छिपकर पैसे बोए थे,
सोचा था, पैसों के प्यारे पेड़ उगेंगे।

रुपयों के कलदार मधुर फसलें खनकेंगी,
और, फूल–फलकर, मैं मोटा सेठ बनूँगा!
पर बंजर धरती में एक न अंकुर फूटा,
बंध्या मिट्टी ने न एक भी पैसा उगला!
सपने जाने कहाँ मिटे, सब धूल हो गए,
मैं हताश हो, बाट जोहता रहा दिनों तक,
बाल कल्पना के अपलक पाँवड़े बिछाकर!
मैं अबोध था, मैंने गलत बीज बोए थे,
ममता को रोपा था, तृष्णा को सींचा था।"

1. कवि ने पैसों को क्यों बोया था? उसकी कल्पना क्या थी?

उत्तर : कवि ने पैसों को इसलिए बोया था कि पैसे के पेड़ उगेंगे। उसकी यह कल्पना थी कि रुपयों की मधुर फसलें खनकेंगी, जिससे वह फल–फूलकर मोटा सेठ बन जाएगा।

2. कवि पैसे बोकर क्यों निराश हुआ?

उत्तर : कवि पैसे बोकर इसलिए निराश हुआ, क्योंकि बंजर धरती में पैसे का एक भी अंकुर रूपी पौधा नहीं उगा। बाँझ मिट्टी के कारण एक भी पैसे का पेड़ नही उगा। उसके सपने धूल में मिल गए।

3. "मैं अबोध था, मैंने गलत बीज बोए थे"? इस पंक्ति से कवि का क्या आशय है।

उत्तर : कवि का आशय यह है कि उसे बचपन में यह ज्ञान नहीं था कि पैसे बोने पर उसके पेड़ नहीं उगते हैं। उसने बड़े प्यार से पैसे बोए थे। पैसे के पेड़ उगने के लिए और कभी न पूरी होने वाली इच्छा को सींचा था।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 15

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए। 2

आपूर्ति, गतिविधि, क्षत्रिय।

उत्तर : **आपूर्ति**– आ् + प् + ऊ + र् + त् + इ,
गतिविधि– ग् + अ + त् + इ + व् + इ + ध् + इ
क्षत्रिय– क् + ष + अ + त् + र + इ + य् + अ

4.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग कीजिए। 1

दात, हसमुख, बाटना।

उत्तर : **दात**– दाँत
हसमुख– हँसमुख
बाटना– बाँटना

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग कीजिए। 1

सवाद, चदन, सख्या।

उत्तर : **सवाद**– संवाद
चदन– चंदन
सख्या– संख्या

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता का प्रयोग कीजिए। 1

फनकार, हजार, अंग्रेजी।

उत्तर : **फनकार**– फ़नकार
हजार– हज़ार
अंग्रेजी– अंग्रेज़ी

6.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानकर लिखिए। 1

कर्महीन, बचपन, धावक।

उत्तर :

	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	कर्म	हीन
2.	बच	पन
3.	धाव	अक

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानकर लिखिए। 1

अहिंसा, सुडौल, बरदाश्त।

उत्तर :

	उपसर्ग	मूल शब्द
1.	अ	हिंसा
2.	सु	डौल
3.	बर	दाश्त

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में मूल शब्द के साथ जुड़े उपसर्ग और प्रत्यय को अलग कर लिखिए। 1

अपमानित, वियोगिनी, निश्चिंतता।

उत्तर :

	उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	अप	मान	इत
2.	वि	योग	इनी
3.	निः	चिंता	ता

7.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार शब्दों में सही संधि–विच्छेद कीजिए। 4

कपीश, वीरेंद्र, तथैव, यद्यपि, हिमालय।

उत्तर : **कपीश**– कपि + ईश
वीरेंद्र– वीर + इंद्र
तथैव– तथा + एव

यद्यपि– यदि + अपि

हिमालय– हिम + आलय

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन वाक्यों में उचित विराम चिन्ह का प्रयोग कीजिए। 3

1. हे माँ अब क्या होगा
2. प्रेमचन्द का गोदान ग्राम्य जीवन की सजीव झाँकी प्रस्तुत करता है
3. राहुल ने कहा तुमने जो कुछ बताया ठीक है
4. रमेश ने कहा मैं अपना काम स्वयं करूँगा

उत्तर :

1. हे माँ! अब क्या होगा?
2. प्रेमचन्द का 'गोदान' ग्राम्य जीवन की सजीव झाँकी प्रस्तुत करता है।
3. राहुल ने कहा, "तुमने जो कुछ बताया ठीक है।"
4. रमेश ने कहा, "मैं अपना काम स्वयं करूँगा।"

खण्ड–ग

(पाठ्य–पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक) 25

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. तेनजिंग ने लेखिका की तारीफ में क्या कहा? 2

उत्तर : तेनजिंग ने लेखिका की तारीफ करते हुए कहा, "तुम एक पक्की पर्वतीय लड़की लगती हो। तुम्हें तो शिखर पर पहले ही प्रयास में पहुँच जाना चाहिए।"

2. लेखक का सौहार्द बोरियत में क्यों बदल गया? 2

उत्तर : लम्बे समय तक अतिथि के रूक जाने के कारण आपसी मैत्री धीरे–धीरे चुक गई। उनमें मैत्रीभाव की ताजगी न रही; बल्कि बोरियत बढ़ने लगी।

3. धर्म के नाम पर क्या–क्या नहीं होना चाहिए? 'धर्म की आड़' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए। 1

उत्तर : धर्म के नाम पर लोगों को आपस में लड़ाना नहीं चाहिए। उन्हें किसी प्रकार की हिंसा के लिए उकसाना नहीं चाहिए और उनका आर्थिक शोषण नहीं होना चाहिए।

9. 'एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा' पाठ के आधार पर बताइए कि पर्वतारोहण केवल एक भावनात्मक अभियान नहीं, बल्कि एक योजनाबद्ध सामूहिक कार्य है। 5

उत्तर : पर्वतारोहण केवल एक भावनात्मक अभियान नहीं है, इसके लिए गंभीर योजना और प्रयत्न करने पड़ते हैं। इस यात्रा में साथियों को अनेक गंभीर प्रयत्नों की आवश्यकता पड़ती है। अतः यह एक योजनाबद्ध सामूहिक कार्य है। बचेंद्री पाल को सबसे ऊँची चोटी तक पहुँचने के लिए कर्नल खुल्लर, प्रेमचन्द, तेनजिंग, अंगदोरजी, की जय लोप्सांग, ल्हाटू और डॉ. मीनू मेहता का भरपूर सहयोग मिला। बचेंद्री को इस यात्रा में पल–पल की खबर मिलती थी। मुसीबत आ जाने पर यदि लोप्सांग ने उसे बर्फ से न निकाला होता तो उसकी वहीं हिम–समाधि हो गई होती। पर्वतारोहण के लिए तीन–चार जगह बेस–कैंप बनाने पड़ते हैं। वहाँ चाय, भोजन और ऑक्सीजन की व्यवस्था करनी पड़ती है। इस सबके लिए सुनियोजित योजना का होना आवश्यक है तभी यात्रा सफल हो पाती है।

अथवा

लड़के की मृत्यु के दूसरे दिन ही बुढ़िया का खरबूजे बेचना कहाँ तक उचित था? तर्कयुक्त उत्तर दीजिए।

उत्तर : लड़के की मृत्यु के दूसरे दिन ही बुढ़िया का खरबूजे बेचना उसका दुर्भाग्य था। कोई भी माँ अपने इकलौते बेटे की मृत्यु के दूसरे ही दिन काम–धंधा नहीं कर सकती। बच्चे भूख से तड़प रहे थे, बहू बुखार से तप रही थी। ऐसी अवस्था में दवाई का प्रबंध करना जरूरी था। दवाई के लिए पैसों की जरूरत थी। अब बेचारी क्या करती? बाजार से मुफ्त दवाई तो मिलती नहीं और कोई उसे उधार भी देने को तैयार नहीं था। अपने स्वाभिमान के कारण वह भीख भी नहीं माँग सकती थी। अतः उसने पैसे कमाने के लिए खरबूजे बेचने की ठानी। ऐसा करना उसकी मजबूरी और सबसे बड़ा धर्म था।

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. रैदास की दृष्टि में गरीबों और दीन–दुखियों का रक्षक कौन है? 2

उत्तर : रैदास की दृष्टि में गरीबों और दीन–दुखियों का रक्षक स्वयं ईश्वर है। ईश्वर की दृष्टि में सब बराबर हैं। वह दीनों पर दया करता है और अछूतों का उद्धार भी करता है।

2. 'जीवन में छोटों का भी महत्त्व है'– रहीम ने इस तथ्य को किस प्रकार सिद्ध किया है? 2

उत्तर : रहीम ने इस तथ्य को तलवार और सुई के उदाहरण से सिद्ध किया है। जीवन में छोटे का भी बराबर का महत्त्व होता है। जैसे सुई का काम तलवार नहीं कर सकती, उसी प्रकार छोटों के करने योग्य काम छोटे ही कर सकते हैं, बड़े नहीं। इसलिए छोटों का भी बराबर महत्त्व है।

3. महामारी से ग्रस्त होने पर सुखिया की दशा कैसी हो गई थी? 1

उत्तर : महामारी से ग्रस्त होने पर सुखिया को तेज बुखार चढ़ा। पहले तो उसका गला रुँध गया, फिर शरीर के अंग भी ढीले पड़ गए और चंचल सुखिया निढाल हो गई।

11. अगरबत्तियाँ बनाने वाले तरह–तरह के हाथों का चित्रण करके कवि क्या कहने का प्रयास कर रहा है ? 5

उत्तर : अगरबत्तियाँ बनाने वाले तरह–तरह के हाथों का चित्रण करके कवि यह कहने का प्रयास कर रहा है कि अगरबत्ती बनाने वाले कारीगरों में बच्चे, बूढ़े, स्त्री, पुरूष और पीड़ित सभी प्रकार के लोग हैं। कवि नन्हें बच्चों को काम करता दिखाकर लोगों के दिलों में उनके प्रति सहानुभूति उत्पन्न करना चाहता है। वह कटे–फटे तथा घायल हाथों से काम करता दिखाकर कारीगरों की विवशता की ओर ध्यान दिलाना चाहता है। मजदूरों को चाहें कितनी भी परेशानी हो वे हाथ नहीं रोक सकते हैं। इस प्रकार यह कविता शोषित मजदूरों के पक्ष में लिखी गई है। कवि मजदूरों के जीवन में कठिनाई का वर्णन करके समाज को इस वास्तविकता से अवगत कराना चाहता है।

अथवा

'एक फूल की चाह' कविता का मूलभाव अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : इस कविता का मूल भाव यह है कि छुआछूत मानवता पर कलंक है। किसी भी व्यक्ति को जन्म के आधार पर अछूत मानना और उसे मंदिर में प्रवेश न करने देना अपराध है। सुखिया के पिता को वहाँ उपस्थित भक्तों ने रोककर केवल इसलिए पीटा, क्योंकि वह अछूत था। इस कारण उसे मंदिर में नहीं आने दिया गया। न्यायालय ने भी उस पर अन्याय किया। उसे सात दिन की सजा केवल इसलिए सुनाई गई, क्योंकि उसने मंदिर में घुसकर मंदिर की पवित्रता नष्ट कर दी थी। कवि कहना चाहता है कि अछूतों पर किए जाने वाले ये अत्या. चार घिनौने और निंदनीय हैं, इन्हें रोका जाना चाहिए।

12. 'गिल्लू' कहानी मात्र एक गिलहरी को बचाने की कहानी नहीं है, बल्कि जीव–मात्र के प्रति मनुष्य की संवेदनशीलता को जगाने का प्रयास है ? सिद्ध कीजिए। 3

उत्तर : महादेवी वर्मा एक संवेदनशील महिला है। वह पशु–पक्षियों में मानवीय सुख–दुःख का अनुभव करती है। वह देखती है कि उसके घर में रखे पौधों के बीच दो कौए एक गिलहरी के बच्चे को चोंच मार–मारकर घायल कर रहे हैं। घायल गिलहरी के बच्चे को देखकर लेखिका की करूणा जाग उठती है। वह सँभालकर उसे अपनी हथेली पर उठाती है। उसके घावों पर मरहम लगाती है। वह उसे दूध पिलाने की युक्ति सोचती है। रूई को दूध में भिगोकर उसके मुँह में लगाती है, उसे पानी भी पिलाती है। दो–तीन दिन की देखभाल से वह बच्चा स्वस्थ हो जाता है।

अथवा

'हामिद खाँ' कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है ?

उत्तर : 'हामिद खाँ' कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हिन्दू–मुसलमान का भेद करना व्यर्थ है। इन दोनों जातियों में जो अलगाव और भ्रम है, वे सबके लिए दुर्भाग्यपूर्ण हैं। ये भ्रम जल्दी ही दूर होने चाहिए। दोनों जातियों को एक–दूसरे को अपनाने के लिये प्रयास करना चाहिए। हिन्दुओं के मन में मुसलमानों के प्रति जो घृणा है, उसे आपस में मिलकर ही दूर किया जा सकता है। यदि लेखक की तरह अन्य हिन्दू भी मुसलमानों से प्रेमपूर्वक व्यवहार करें तो आपस में भाईचारा बनाया जा सकता है।

13. रास में गाँधी जी ने अपने भाषण में क्या कहा ? 2

उत्तर : रास में आयोजित गाँधी जी की सभा में दरबार गोपालदास और रविशंकर महाराज भी उपस्थित थे। वे बड़े रियासतदार होकर भी रास में रहते हुए त्यागमय जीवन जी रहे थे। अतः गाँधी जी ने उनके संदर्भ में लोगों से कहा–दरबार समुदाय के ये लोग त्यागी और हिम्मती हैं। आप इनसे त्याग और हिम्मत की शिक्षा लें।

खण्ड–घ (लेखन) 25

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 5

1. **आतंकवाद।**
   • आतंकवाद का अर्थ • कारण • समस्या का समाधान।
2. **मेरा भारत महान।**
   • प्राचीनतम सभ्यता एवं संस्कृति • भौगोलिक रचना • प्राकृतिक सौंदर्य • विभिन्नताओं में एकता • गौरवशाली इतिहास।
3. **इंटरनेट की दुनिया**
   • इंटरनेट का तात्पर्य • सूचना का मुख्य साधन • लाभ तथा हानियाँ।

उत्तर :

1. आतंकवाद

प्रत्येक देश की अपनी समस्याएँ होती हैं, जिनमें भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महँगाई, तस्करी, अपराध आदि मुख्य हैं। इन्हीं समस्याओं में से एक समस्या आतंकवाद की समस्या है। यह एक ऐसी जटिल और भयंकर समस्या है जो निरंतर सुरसा की भाँति अपना मुख फैलाती जा रही है। आज विश्व का कोई भी कोना इससे अछूता नहीं है। आतंकवाद एक ऐसी प्रवृत्ति है जिसमें कुछ लोग अपनी अमानवीय इच्छाओं को पूरा करने के लिए, धर्म

की आड़ में लोगों को गुमराह कर, उन्हें मासूम व निर्दोष लोगों का रक्त बहाने पर विवश कर देते हैं। हमारे देश भारत में आतंकवाद का प्रमुख कारण पाकिस्तान से आतंकवादियों को मिलने वाला प्रशिक्षण एवं अन्य सभी प्रकार की सहायता है। आज भी समाचार–पत्र खोलो तो कोई भी दिन ऐसा नहीं होता जिस दिन खून–खराबा, आगजनी, तोड़–फोड़ या रेलगाड़ी एवं बस के यात्रियों को गोलियों से भून देने के समाचार न मिलते हों आतंकवाद किसी समस्या या प्रश्न का हल नहीं है। बातचीत एवं राजनैतिक, आर्थिक कदम उठाकर इस समस्या का समाधान संभव है। आज आतंकवादियों को पनाह देने वाले राष्ट्र स्वयं भी इससे ऊब चुके हैं। जो लोग गुमराह होकर इस आतंकवाद के पथ पर चल चुके हैं उन्हें प्यार, शांति एवं विश्वास के पथ अपनाते हुए वापस मानवता के राह पर लाया जा सकता है। अतः आतंकवाद की समस्या का समाधान शांतिपूर्ण उपायों द्वारा ही संभव है।

2. मेरा भारत महान

भारत की सभ्यता और संस्कृति संसार की प्राचीनतम सभ्यताओं में गिनी जाती है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक और गुजरात से गंगा सागर तक फैला 'भारत' नाम का यह भू–खंड विश्व का सातवाँ सबसे बड़ा देश है। उत्तर में पर्वतराज हिमालय भारत के उन्नत भाल पर स्वर्ण–किरीट के समान सुशोभित है। देवनदी इस पावन भूमि पर प्रवाहित होकर इसे उर्वरता एवं रमणीयता प्रदान करती है। भौगोलिक रचना की दृष्टि से भारत का प्राकृतिक स्वरूप मनमोहक एवं विशिष्ट है। भारत में प्राकृतिक सुषमा अनुपम है। वहाँ छह ऋतुएँ क्रम से आकर इसे सजाती–सँवारती हैं। पावस की रिमझिम फुहारें वसुंधरा को हरी साड़ी से आवृत्त कर देती हैं। विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र यह देश जनसंख्या की दृष्टि से विश्व में दूसरे स्थान पर है। खान–पान, रहन–सहन, वेश–भूषा की दृष्टि से भारतीयों में भिन्नता है, फिर भी ये माला के मोतियों के समान आपस में प्रेम और भाईचारे के धागे में गुँथे हुए हैं। हमारा देश धर्मनिरपेक्ष है, जहाँ अनेक धर्मों के लोग मिल–जुलकर रहते हैं। सभ्यता और संस्कृति, साहित्य, संगीत और अनेक ललित कलाओं का विकास यहाँ हुआ है। भारतीय संस्कृति का मूल स्वर विश्व–कल्याण है। 'उदार चरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्' के स्वर इस धरा पर सदैव गूँजते रहे हैं और गूँजते रहेंगे। आध्यात्मिक क्षेत्र में जगद्गुरु कहा जाने वाला भारत आज भी विश्व को जीवन–मूल्यों, आदर्शों एवं नैतिक मूल्यों का पाठ पढ़ाता रहता है। सचमुच हमारा भारत अद्भुत है। इसकी महिमा तथा गरिमा अनूठी है।

3. इंटरनेट की दुनिया

इंटरनेट जनसंचार का सबसे नया लेकिन तेजी से लोकप्रिय हो रहा अद्भुत आविष्कार है। यह एक ऐसा माध्यम है जिसमें प्रिंट मीडिया, रेडियो, टेलीविजन, किताब, सिनेमा, यहाँ तक कि पुस्तकालय के सारे गुण मौजूद हैं। आज इंटरनेट का प्रयोग प्रौढ़ से लेकर छोटे बालक तक सभी आसानी से करते हैं। इसके प्रयोग द्वारा कोई भी मनुष्य दुनिया के किसी भी कोने में बैठकर जानकारी हासिल कर सकता है। इसकी रफ्तार का कोई जवाब नहीं है। इंटरनेट पर आप दुनिया के किसी भी कोने में छपने वाले अखबार या पत्रिका में छपी सामग्री पढ़ सकते हैं। इसके विश्वव्यापी जाल के भीतर जमा करोड़ों पन्नों में से पलभर में अपने मतलब की सामग्री खोज सकते हैं। इससे आप सवाल–जवाब, बहसों में भाग ले सकते हैं, चैट कर सकते हैं और मन हो तो अपना ब्लॉग बनाकर पत्रकारिता की किसी बहस के सूत्रधार बन सकते हैं। इंटरनेट में कुछ खामियाँ भी हैं। इसमें लाखों अश्लील पन्ने भर दिए गए हैं, जिसका बच्चों के कोमल मन पर बहुत बुरा असर पड़ सकता है। इससे इंटरनेट का दुरुपयोग भी किया जा सकता है। इसके सदुपयोग से मनुष्य उत्तरोत्तर विकास की ओर अग्रसर होता है जबकि इसके दुरुपयोग से पतन के गर्त में जा सकता है।

15. विद्यालय में प्रथम आने पर इसकी सूचना देते हुए अपनी माता जी को पत्र लिखिए और धन्यवाद दीजिए कि आपके साथ वे भी रातों में जागती रहीं, इसलिए यह सम्भव हुआ। 5

उत्तर :

कमलेश शर्मा
राजकीय छात्रावास
राजकीय विद्यालय
साकेत विहार,
दिल्ली।
दिनांक : 20 जून, 2019

पूज्य माता जी
सादर चरण स्पर्श!

मुझे आपको यह सूचना देते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि इस बार मैंने आपकी इच्छा पूरी कर दी है। इस बार हुई परीक्षाओं में मैं पूरे विद्यालय में प्रथम आया हूँ। मुझे 97.8% अंक मिले हैं। गणित और संस्कृत में मैंने 100% अंक प्राप्त किए हैं।

माता जी! मेरी इस सफलता का पूरा श्रेय आपको है। यदि आप मेरे साथ रात–रात भर न जागतीं, तो मैं रोज जल्दी सो गया होता। आपने कठोर परिश्रम करने की आदत डाली। रात–भर मेरे खाने–पीने और स्वास्थ्य

की भी चिंता की। अब लोग मुझे बधाई दे रहे हैं। परन्तु मैं जानता हूँ कि बधाई की वास्तविक पात्र आप हैं।
आपके प्रति हृदय से धन्यवाद!
आपका सुपुत्र
कमलेश

अथवा

अपने मित्र को पर्वतीय स्थल रानीखेत और नैनीताल की यात्रा के लिए आमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए।

उत्तर :
मनोज अग्रवाल
536, सरस्वती विहार,
दिल्ली।
दिनांक : 13 दिसंबर, 2019
प्रिय श्रीधरन!
सस्नेह नमस्कार!

आशा है तुम आनन्दपूर्वक होंगे।

यहाँ दिल्ली में तो बहुत सर्दी है। सर्दी के साथ–साथ प्रदूषण के कारण जीना कठिन हो गया है। एक–एक दिन काटना मुश्किल हो रहा है। पिछली सर्दियों में मैंने चेन्नई के समुद्र–तट पर तुम्हारे साथ घूमते जो दिन व्यतीत किए थे, उनकी याद मुझे फिर से आ रही है। मन कर रहा है कि सर्दी की छुट्टियों में नैनीताल और रानीखेत की यात्रा की जाए।

इन सुहावने पर्वतीय स्थलों की यात्रा की कल्पना करते ही मुझे तुम्हारी याद आई। अच्छा मित्र साथ हो तो यात्रा का आनन्द दुगुना हो जाता है। मेरी ओर से साग्रह निमंत्रण है। तुम जनवरी के पहले या दूसरे सप्ताह में दिल्ली आने का कार्यक्रम बनाओ। आगे की यात्रा का प्रबन्ध मैं कर लूँगा। बस तुम आ जाओं, तुम्हारी प्रतीक्षा करूँगा।
तुम्हारा मित्र
मनोज

16. दिए गए चित्र का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। 5

उत्तर : प्रस्तुत चित्र किसी शहर के मार्ग का चित्र है। सड़क पार करने की जल्दीबाजी में लड़का तेज गति से आती बस की टक्कर से घायल हो गया है। विद्यालय, लौटते दो छात्रों व दो नागरिकों ने उसे घायल अवस्था में देखा। वे सोच रहे हैं कि किसी प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र ले जाया जाये। अक्सर लोग सड़क पार करते समय यातायात के नियमों को नजर अन्दाज कर देते हैं जिसके कारण उन्हें दुर्घटना का सामना करना पड़ता है।

अथवा

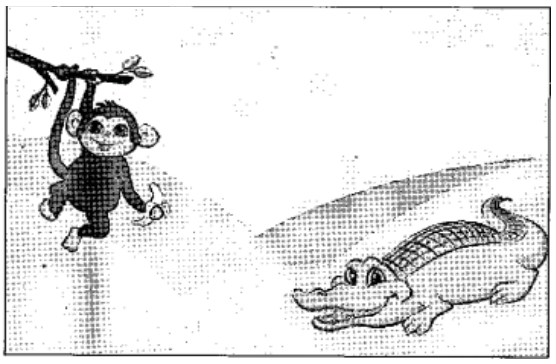

उत्तर : इस चित्र में नदी का दृश्य दिखाई दे रहा है। नदी में मगरमच्छ तैर रहा है। एक बंदर पेड़ से लटककर मगरमच्छ से बात कर रहा है। नदी के दोनों ओर बहुत सारे पेड़ हैं। पेड़ की एक डाल पर दो चिड़िया बैठी हैं।

17. स्कूल के बच्चों के बीच पढ़ाई सम्बन्धी बातचीत पर संवाद लिखिए। 5

उत्तर :
श्रेया– कहो प्रियंका! आजकल तो खूब पढ़ाई में लगी हुई हो?
प्रियंका– कहाँ? मैं तेरी तरह किताबी कीड़ा नहीं हूँ।
श्रेया– मैं? मैं तो तीन दिन के लिए चाचा की शादी में गई थी। पर तू तो इन दिनों ट्यूशन ही पढ़ती रही।
प्रियंका– तुम चली गई तो मुझे ट्यूशन क्लास में अच्छा नहीं लग रहा था।
श्रेया– पर तुम ट्यूशन क्लास में तो पढ़ती रहीं। तेरे नंबर अच्छे आएँगे। तेरे घर वाले सब बहुत खुश होंगे।
सोनिया– शादी में जाना भी तो जरूरी था। वहाँ का मजा दूसरे प्रकार का था खूब डांस और ढेर सारी मस्ती।
श्रेया– सच में शादी में खूब मजा आया। अब ध्यान लगाकर पढ़ाई करनी है।
प्रियंका– तुम तो होशियार हो, खूब अच्छी तरह से सारे विषयों का अध्ययन कर लोगी।
श्रेया– और तुम! तुम क्या कम होशियार हो? हम दोनों सहेलियाँ अगले साल भी अगली कक्षा में साथ–साथ पढ़ेगे।
प्रियंका– हाँ, यहीं मैं भी चाहती हूँ।

अथवा

बढ़ती हुई महँगाई पर दो स्त्रियों में बातचीत करते हुए संवाद लिखिए।

उत्तर :

गीता– हाय राम! चीनी 50 रु. किलो हो गई है।

आरती– और सब्जियों के दाम देखें हैं। घीया 40 रु. तो टमाटर 60 रु. किलो हो गया है। समझ में नहीं आता खाएँ क्या?

गीता– बहन! हमने तो फल खाना ही छोड़ दिया। कल मैंने 100 रु. देकर सोनू को सेब लेने भेजा तो पूरे 1 किलो सेब नहीं आए। सेब 160 रु. किलो हो गए हैं।

आरती– सचमुच महँगाई ने तो आग लगा दी है।

गीता– पर अखबार वाले तो लिखते हैं कि महँगाई पर नियंत्रण हो गया है।

आरती– मक्कार हैं सारे नेता! चुनाव जीतने थे। तब तक सब ठीक था। अब क्या है? नेताओं के हाथ में सब्जी का थैला दे दें तो उन्हें पता चले।

गीता– अरी रहने दे। अब तो पॉलीथीन का प्रयोग बंद हो गया है तो थैले भी खरीदने पड़ेंगे।

आरती– ठीक कह रही हो। नेताओं के सहारे न घर चलता है, न देश। जनता को हर हाल में मरना ही है।

गीता– हाँ ठीक कह रही हो।

आरती– अच्छा, अब रसोई में जाती हूँ, काम करूँ।

गीता– अच्छी बात है। खाना तो मुझे भी बनाना है।

18. रोज पैराडाइज नाम से एक समारोह–स्थल खुला है। उसमें पार्टियाँ करने और ठहरने–भोजन करने की भी व्यवस्था है। एक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

रोज पैराडाइज

★ *पार्टी लॉन्स*
★ *विवाह समारोह*

सभी प्रकार के

★ *उत्तर भारत के व्यंजन उपलब्ध*
★ *दक्षिण भारत के व्यंजन भी उपलब्ध*
★ *होटल डीलक्स कमरे–2500 रु. प्रतिदिन*
★ *थाली– मात्र 199 रु.*

सम्पर्क

रेलवे स्टेशन के पास, मदनगंज, किशनगढ़

मोबाइल नं.– 9412234542

अथवा

बाजार में किंग नाम से पिट्ठू बैग आए हैं। एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

किंग

पिट्ठू बैग

★ *सामान रखने में सुविधा!*
★ *पीठ पर बाँधने में सुविधा!!*
★ *आकर्षक रंग*
★ *मनोहर डिजाइन!*

सुविधाएँ इतनी कि देखते ही खरीदने का मन करे! खरीदें तो किंग ही खरीदें।

सम्पर्क

मोबाइल नं.– 8343010932

WWW.CBSE.ONLINE

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online